बच्चे काम पर जा रहे हैं

शब्दार्थ, भावार्थ एवं अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न

① *कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं*
सुबह सुबह
बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह
काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे? (पृष्ठ 138)

भावार्थ–अत्यधिक सर्दी में कोहरे से ढकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं। वे मजदूरी करने को विवश हैं। यह कैसी विसंगति है कि जिस उम्र में बच्चों को खेलना चाहिए, स्कूल जाना चाहिए, वे काम करने को विवश हैं। बच्चों का काम पर जाना कवि को अंदर तक झकझोर जाता है। यह सबसे भयानक पंक्ति है और उससे भी ज्यादा भयानक है इसे विवरण जैसे लिखा जाना। इसे सरकार, शासन, समाज आदि से पूछा जाना चाहिए कि बच्चे काम पर क्यों जा रहे हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अति लघुउत्तरीय प्रश्न

(*i*) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(*ii*) किन परिस्थितियों में बच्चों को काम पर जाना पड़ रहा है?

(*iii*) बच्चों का काम पर जाना सबसे भयानक पंक्ति क्यों है?

(*iv*) कवि को कैसा महसूस हो रहा है?

(*v*) काव्यांश में कैसी भाषा प्रयुक्त है?

उत्तर

(*i*) **कवि का नाम**–राजेश जोशी

कविता का नाम–बच्चे काम पर जा रहे हैं

(*ii*) बच्चों को सबेरे-सबेरे कोहरे से ढँकी कड़कड़ाती सर्दी जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में काम पर जाना पड़ रहा है।

(*iii*) बच्चों का काम पर जाना सबसे भयानक पंक्ति इसलिए है कि पढ़ने-लिखने, खेलने-कूदने की उम्र में बच्चों को काम पर जाने के लिए विवश होना पड़ रहा है।

(*iv*) बच्चों को काम पर जाता देख कवि बहुत दुख महसूस कर रहा है, क्योंकि इससे बच्चों का बचपन छिन रहा है।

(*v*) काव्यांश में सरल, सहज, खड़ी बोली का प्रयोग है।

लघुउत्तरीय प्रश्न

(*i*) कवि ने किस समस्या की ओर समाज का ध्यान आकर्षित कराना चाहा है?

(*ii*) 'भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना' कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

(*iii*) बच्चों का काम पर जाना किस-किसके लिए लाभप्रद है और कैसे?

उत्तर

(*i*) कवि ने समाज का ध्यान-बच्चों द्वारा काम करने की विवशता अर्थात् बाल-मजदूरी की ओर आकर्षित कराना चाहा है।

(*ii*) कवि ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि बच्चों का काम पर जाना समाज की भयंकरतम् समस्या है, पर समाज और समाज के तथाकथित ठेकेदार इस समस्या को देखकर भी अनदेखा कर रहे हैं। मानो उनके लिए बच्चों का काम पर जाना कोई नई बात नहीं है।

(*iii*) बच्चों का काम पर जाना किसी के लिए लाभप्रद नहीं है। काम करने को विवश बच्चे जिंदगी भर के लिए मजदूर बनकर रह जाएँगे। इससे वे न कुशल नागरिक बन पाएँगे और न समाज तथा देश की उन्नति में अपना योगदान दे पाएँगे।

② *क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें*
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें
क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक (पृष्ठ 138)

शब्दार्थ–**अंतरिक्ष**–आकाश। **मदरसा**–उर्दू स्कूल, पाठशाला।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भावार्थ–बच्चों को काम पर जाता देखकर दुखी कवि पूछता है कि आखिर बच्चे काम पर क्यों जा रहे हैं? क्या उनकी सारी गेंदें कहीं अंतरिक्ष में गिर गईं जो मिल नहीं रही हैं या उनकी रंग-बिरंगी किताबों को दीमकों ने खा लिया है? क्या उनके सारे खिलौने पहाड़ के नीचे दब गए हैं या स्कूल के भवन किसी भूकंप में नष्ट हो गए हैं? कवि पुनः पूछता है कि क्या सारे मैदान, बगीचे और घरों के आँगन अचानक समाप्त हो गए हैं? ऐसा क्या हो गया है कि उन्हें काम पर जाना पड़ रहा है।

अति लघुउत्तरीय प्रश्न

1. काव्यांश का मूलभाव क्या है? 1
2. गेंदों के अंतरिक्ष में गिरने के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है? 1
3. कवि बच्चों के लिए क्या-क्या चाहता है? 1
4. काव्यांश की भाषा कैसी है? 1
5. 'काले पहाड़ के नीचे खिलौने दबाना' के माध्यम से कवि किस ओर संकेत करता है? 1

उत्तर

1. बाल मजदूरी की विवशता पर आक्रोश।
2. कवि कहना चाहता है कि इस उम्र में उन्हें काम पर नहीं भेजा जाना चाहिए। ये उनके खेलने-कूदने के दिन हैं।
3. कवि चाहता है कि बच्चों को काम पर न जाना पड़े। उनके हाथ में खिलौने, रंगीन पुस्तकें हों, खेलने के लिए पार्क-मैदान तथा पढ़ने के लिए स्कूल हों।
4. काव्यांश की भाषा खड़ी बोली है जिसमें तत्सम शब्दों का प्रयोग है।
5. यह समाज में बच्चों के शोषण व्यवस्था की ओर संकेत करता है कि बच्चों से अमानवीय परिस्थितियों में काम कराकर उनका शोषण किया जाता है।

लघुउत्तरीय प्रश्न

(*i*) कवि बच्चों का बचपन कैसा चाहता है? 2

(*ii*) बच्चों को काम पर जाते देख कवि दुखी है पर समाज के लोग नहीं, ऐसा क्यों? 2

(*iii*) क्या रंग-बिरंगी किताबों को दीमकों ने खा लिया है'–के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है? 1

उत्तर

(*i*) कवि चाहता है कि बच्चों से उनका बचपन न छीना जाए। बच्चे पढ़-लिखकर सुयोग्य तथा खेल-कूदकर स्वस्थ नागरिक बनें, इसके लिए वह चाहता कि बच्चों का बचपन खेल-खिलौनों से भरपूर, रंग-बिरंगी किताबों से युक्त हो।

(*ii*) कवि संवेदनशील, सहृदय व्यक्ति है, इसलिए वह बच्चों को काम पर जाते देख आहत है। इसके विपरीत समाज के ही कुछ लोग, बच्चों से काम करवाते हुए स्वयं मोटा मुनाफा कमाते हैं। वे ऐसी परिस्थितियाँ पैदा करते हैं कि बच्चे काम पर जाने को विवश हों, ऐसे लोग दुखी क्यों होंगे।

(*iii*) कवि समाज से प्रश्न करता है कि क्या बच्चों की पुस्तकें नष्ट हो गई हैं। जो ये विद्यालय न जाकर काम पर जा रहे हैं। यदि पुस्तकें सलामत हैं तो उन्हें विद्यालय जाना चाहिए, काम पर नहीं।

③

तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में?
कितना भयानक होता अगर ऐसा होता
भयानक है लेकिन इससे भी ज़्यादा यह
कि हैं सारी चीज़ें हस्बमामूल
पर दुनिया की हज़ारों सड़कों से गुजरते हुए
बच्चे, बहुत छोटे छोटे बच्चे
काम पर जा रहे हैं। (पृष्ठ 139)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

शब्दार्थ–**हस्बमामूल**–पहले जैसी, यथावत।

भावार्थ–कवि कहता है कि यदि बच्चों की किताबें, खेल के मैदान, पाठशाला आदि नष्ट हो गए हैं तो बचा ही क्या है? अर्थात् कुछ भी नहीं बचा है। यदि कुछ भी न बचता तो भयानक बात थी पर उससे भी अधिक भयानक बात यह है कि सब कुछ पहले जैसा ही है। कुछ भी नष्ट नहीं हुआ है। सब कुछ होने के बाद भी दुनिया की सड़कों पर हजारों बच्चे काम पर जा रहे हैं, यह भयानक स्थिति है।

अति लघुउत्तरीय प्रश्न

(*i*) भयानक स्थिति कब उत्पन्न हो जाती? 1

(*ii*) कवि स्थित को अधिक भयावह क्यों कह रहा है? 1

(*iii*) बाल-मजदूरी की समस्या विश्व भर में फैली है-यह भाव किस पंक्ति में व्यक्त हुआ है? 1

(*iv*) कवि बच्चों का हितैषी लगता है, कैसे? 1

(*v*) 'हस्बमामूल' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 1

उत्तर

(*i*) भयानक स्थिति तब उत्पन्न हो जाती जब बच्चों के खेल-खिलौने, रंग-बिरंगी पुस्तकें, विद्यालय तथा खेलने के पार्क आदि नष्ट हो जाते।

(*ii*) कवि स्थिति को अधिक भयावह इसलिए कह रहा है क्योंकि विभिन्न प्रकार के खिलौने, रंग-बिरंगी पुस्तकें सब कुछ हैं, पर जरूरतमंद बच्चों को कुछ भी नही मिल रहा है।

(*iii*) उक्त भाव इन पक्तियों में व्यक्त हुआ है–

पर दुनिया की हजारों सड़कों से गुजरते हुए बच्चे
बहुत छोटे-छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं।

(*iv*) कवि चाहता है कि खेलने-कूदने, पढ़ने-लिखने की उम्र में बच्चे खेल-कूदकर स्वस्थ बनें, बचपन का आनंद उठाएँ और पढ़-लिखकर योग्य नागरिक बनें तथा वे काम पर न जाएँ।

(*v*) 'हस्बमामूल' शब्द का अर्थ–वस्तुओं का यथावत अर्थात् जैसा होना चाहिए वैसा ही होना है।

लघुउत्तरीय प्रश्न

1. 'कितना भयानक होता अगर ऐसा होता' का आशय स्पष्ट कीजिए। 2
2. काव्यांश के आधार पर कवि की वेदना स्पष्ट कीजिए। 2
3. 'हैं सारी चीज़ें हस्बमामूल' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। यहाँ यह किसलिए प्रयुक्त है? 1

उत्तर

1. आशय यह है कि यदि बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाएँ वास्तव में नष्ट हो गईं होतीं–जैसे गेंदें खो जातीं, किताबें नष्ट हो जातीं, विद्यालय, पार्क, बाग, बगीचे समाप्त हो जाते तो स्थिति भयावह होती। फिर दुनिया में सुंदर कहलाने लायक बचता ही क्या।
2. कवि की वेदना यह है कि बच्चों को काम करना पड़ रहा है। वह चाहता है कि मासूम बच्चों से उनका बचपन न छिने। बच्चे पढ़ें-लिखें योग्य और समाजोपयोगी नागरिक बनें। बच्चों की उम्र काम करने की नहीं, चिंतामुक्त रहकर खेलने और पढ़ने की है।
3. 'हैं सारी चीज़ें हस्बामूल' का अर्थ है–सभी चीज़ों का पहले जैसी स्थिति में रहना। उनमें कोई परिवर्तन न आना। यहाँ यह बच्चों के खिलौनों, पुस्तकें तथा खेल के मैदान आदि के लिए प्रयुक्त है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न-अभ्यास

(*पाठ्यपुस्तक से*)

1. कविता की पहली दो पंक्तियों को पढ़ने तथा विचार करने से आपके मन-मस्तिष्क में जो चित्र उभरता है उसे लिखकर व्यक्त कीजिए।

उत्तर कविता की पहली दो पंक्तियाँ पढ़कर मेरे मन में बच्चों के प्रति करुणा तथा व्यवस्था के प्रति आक्रोश का भाव उठता है। सर्दी तथा कोहरे में बच्चों को घर में होना चाहिए, इस उम्र में उन्हें खेलना चाहिए, स्कूल जाना चाहिए पर विंडबना देखिए कि उन्हें काम पर जाना पड़ रहा है। पता नहीं इस राष्ट्रीय समस्या का समाधान कब होगा।

2. कवि का मानना है कि बच्चों के काम पर जाने की भयानक बात को विवरण की तरह न लिखकर सवाल के रूप में पूछा जाना चाहिए कि 'काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?' कवि की दृष्टि में उसे प्रश्न के रूप में क्यों पूछा जाना चाहिए?

उत्तर बच्चों का काम पर जाना सामाजिक एवं आर्थिक बिंडबना का जीता-जागता उदाहरण है। आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। इन बच्चों का अमानवीय दशाओं में मजदूरी करने को सामान्य बात मानकर जानकारी भर नहीं देना चाहिए। इसके प्रति गहरा लगाव एवं चिंता दिखाई पड़नी चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है।

3. सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे वंचित क्यों हैं?

उत्तर समाज के बड़े वर्ग को आज भी गरीबी का अभिशाप झेलना पड़ रहा है। इस गरीबी और समाज की व्यवस्था के कारण करोड़ों बच्चों को अपने परिवार की आर्थिक गतिविधियों तथा जिम्मेदारियों में हाथ बटाना पड़ता है। न चाहते हुए भी वे मजदूरी करने को विवश हैं। उनके माता-पिता के पास गेंद, खिलौने, किताबें आदि खरीदने की क्षमता नहीं हैं, इसलिए वे सुविधा और मनोरंजन के साधनों से वंचित हैं।

4. दिन-प्रतिदिन के जीवन में हर कोई बच्चों को काम पर जाते देख रहा/रही है, फिर भी किसी को कुछ अटपटा नहीं लगता। इस उदासीनता के क्या कारण हो सकते हैं?

उत्तर काम पर जाते बच्चों को देख हर कोई उदासीनता का भाव प्रकट नहीं कर रहा है क्योंकि–

(*i*) लोग आत्मकेंद्रित हो गए हैं। वे सोचते हैं कि चलो मेरा बच्चा तो काम पर नहीं जा रहा है।

(*ii*) लोग इसके प्रति जागरूकता नहीं दिखाते हैं। वे सोचते हैं कि यह सरकार के सोचने का कार्य है।

(*iii*) समाज का एक बड़ा वर्ग इन बच्चों से काम कराकर मुनाफा कमाकर अपनी जेब भर रहा है, तो वह इस बारे में क्यों सोचे।

5. आपने अपने शहर में बच्चों को कब-कब और कहाँ-कहाँ काम करते हुए देखा है?

उत्तर मैंने अपने शहर में बच्चों को चाय की दुकान पर, ढाबे पर, होटलों पर, सब्जियों या विभिन्न दुकानों पर, समृद्ध वर्ग के घरों में तथा प्राइवेट कार्यालयों में काम करते हुए देखा है।

6. बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है?

उत्तर बच्चों का काम पर जाना हादसे के समान है। क्योंकि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ना-लिखना चाहिए तथा भविष्य का योग्य एवं सुशिक्षित नागरिक बनने की तैयारी करनी चाहिए, वे उस उम्र में बाल-मजदूरी करते हुए अपना भविष्य नष्ट कर रहे हैं। बच्चों का भविष्य नष्ट होना किसी हादसे से कम नहीं है।

रचना और अभिव्यक्ति

7. काम पर जाते किसी बच्चे के स्थान पर अपने-आप को रखकर देखिए। आपको जो महसूस होता है उसे लिखिए।

उत्तर छात्र स्वयं करें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

8. आपके विचार से बच्चों को काम पर क्यों नहीं भेजा जाना चाहिए? उन्हें क्या करने के मौके मिलने चाहिए?

उत्तर मेरे विचार से बच्चों को काम पर नहीं भेजा जाना चाहिए क्योंकि छोटी उम्र में काम करने पर बच्चों का शारीरिक एवं बौद्धिक विकास बाधित होता है। वे जिंदगी भर के लिए मजदूर बनकर रह जाते हैं। बच्चों का बौद्धिक विकास हो इसके लिए उन्हें पढ़ने-लिखने के पर्याप्त अवसर तथा शारीरिक विकास हेतु खेलकूद के उचित अवसर मिलने चाहिए।

कुछ और प्रश्न

I. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' इससे किस तरह का प्रश्न उठ खड़ा होता है?

उत्तर बच्चों का बचपन पढ़ने-लिखने तथा खेलने-कूदने के लिए होता है। यह मस्ती तथा बेफ्रिकी भरा जीवन होता है। ऐसे में प्रतिकूल परिस्थितियों में उन्हें काम पर रोजी-रोटी कमाने के लिए जाना पड़ रहा है। यह देखकर एक भयानक प्रश्न उठ खड़ा होता है। इससे बच्चों की खुशियाँ छिन जाती हैं तथा जीवन अंधकारपूर्ण हो जाता है।

2. बच्चों के काम पर जाने की समस्या को कवि गाँव की पगडंडी पर न दिखाकर कोहरे में ढकी सड़क पर क्यों दिखाया है?

उत्तर कवि बच्चों के काम पर जाने की समस्या को गाँव की पगडंडी पर न दर्शाकर कोहरे से ढकी सड़क पर दर्शाया है, क्योंकि गाँवों में लोग अधिक सहृदय और संवेदनशील हैं, जबकि शहर के लोगों की सहृदयता एवं संवेदनशीलता घटती जा रही है। शहर सड़कों के किनारे ही बसे हैं। वे बच्चों को काम पर जाता देखकर तनिक भी विचलित नहीं होते हैं। ऐसा लगता है कि जैसे उनकी संवेदना मर चुकी है।

3. 'कोहरे से ढकी' कहकर कवि ने किस तरह की परिस्थितियों की ओर संकेत किया है?

उत्तर रात में पड़ने वाला कोहरा प्रातःकाल और भी घना हो जाता है जो शीत की भयावहता को और भी बढ़ा देता है। वातावरण में घना कोहरा और टपकती बर्फीली फुहारें सर्दी को चरम पर पहुँचा देती हैं। ऐसे वातावरण में काँपते हुए बच्चों को रोजी-रोटी हेतु काम पर जाते देखकर कवि दुखी होता है। वह सोचता है कि काम की परिस्थितियाँ भी एकदम प्रतिकूल हैं।

II. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता में सामाजिक सरोकारों का महत्व देते हुए बच्चों के काम पर जाने की पीड़ा को मर्मस्पर्शी ढंग से उभारा गया है। यह उनके खेलने-कूदने और पढ़ने-लिखने की उम्र है। सामाजिक विषमता ने उनकी शिक्षा, खेलकूद और भविष्य के अच्छे अवसर को छीन लिया है। बच्चों को यूँ काम पर जाने को किसी भूकंप के समान भयावह कहा गया है। इसमें समाज की संवेदनहीनता पर व्यंग्य किया गया है। समाज इन बच्चों को काम पर जाता देखकर भी चिंतित नहीं होता। वह ऐसे मूक और अंधा बना रहता है, जैसे यह बड़ी सामान्य बात हो।

2. कवि ने बच्चों के काम पर जाने की पीड़ा को किस तरह व्यक्त किया है?

उत्तर इस कविता के माध्यम से कवि ने बच्चों को काम पर जाते हुए देखकर अपनी पीड़ा की अभिव्यक्ति की है। समाज की मनोवृत्ति देखकर वह दुखी होता है कि यह समाज उनको काम पर जाता देखकर संवेदनहीन बना रहता है। वह (समाज) तनिक भी विचलित नहीं होता है। लोगों के लिए यह साधारण सी बात बनकर रह गई है। बच्चों का नष्ट होता बचपन तथा उनका नष्ट होता भविष्य देख कवि दुखी होता है जबकि समाज अपने में मस्त है। समाज की यह संवेदनहीनता, तटस्थता देख कवि को बहुत पीड़ा होती है।

3. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का उद्देश्य क्या है?

उत्तर 'बच्चे काम पर जा रहे है' कविता का उद्देश्य बाल-मजदूरी को रोकना तथा बच्चों की इस दयनीय दशा के प्रति समाज का ध्यान आकर्षित कराते हुए उनमें संवेदना उत्पन्न करना है। कवि चाहता है कि खेलने-कूदने तथा पढ़ने की इस उम्र

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

में बच्चों को काम पर नहीं भेजा जाना चाहिए। उन्हें पढ़ाई-लिखाई तथा खेलने-कूदने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। समाज के लोगों की यह जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वे बच्चों को काम करने से रोकें तथा उनका छिनता बचपन लौटाएँ ताकि वे अच्छे नागरिक बनकर अच्छा जीवन व्यतीत कर सकें।

4. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता में कवि ने समाज के लिए क्या संदेश दिया है?

उत्तर 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता में कवि ने बच्चों के काम पर जाने की समस्या को प्रमुखता से उभारा है और प्रश्न किया है कि ऐसे कौन-से कारण हैं जिनके कारण बच्चों को काम पर जाना पड़ रहा है। समाज के लोग यह सब देखकर भी चुप हैं। कवि को समाज की यह संवेदनहीनता और भावशून्यता भयंकर लगती है। कवि समाज की इस संवेदनहीनता तथा भावशून्यता को भगाना चाहता है ताकि इन बच्चों के प्रति समाज कुछ सोचे और उन्हें बाल-मजदूरी से छुटकारा दिलाए। समाज के सभी लोग मिलकर बच्चों को पढ़ने-लिखने, खेलने-कूदने का अवसर प्रदान कराएँ ताकि यही बाल-मजदूर कल के सुयोग्य नागरिक बन सकें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in